व्यक्तित्व अधिकार

प्रलिम्सि के लिये:

पर्सनैलिटी राइट्स, [निजता का अधिकार](), [अनुच्छेद 21](), [कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)]()।

मेन्स के लिये:

सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, **नैनो-प्रौद्योगिकी**, जैव-प्रौद्योगिकी और [बौद्धिक संपदा अधिकारों]() से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]()

चर्चा में क्यों?

हॉलीवुड एक्ट्रेस और **OpenAI** के बीच हालिया विवाद **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)** मॉडल के संदर्भ में पर्सनैलिटी राइट्स के महत्त्व को उजागर करता है।

- अभिनेत्री ने [ChatGPT]() की **कृत्रिम बुद्धिमत्ता** कंपनी **OpenAI** पर उसकी आवाज़ का उपयोग करने का आरोप लगाया, जबकि उन्होंने पहले कंपनी के CEO के लाइसेंस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था।
- इससे पहले, न्यूयॉर्क टाइम्स (NYT) ने OpenAI और माइक्रोसॉफ्ट के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की थी, जिसमें [ChatGPT]() सहित AI मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिये इसकी कॉपीराइट सामग्री के अनधिकृत उपयोग का आरोप लगाया गया था।

पर्सनैलिटी राइट्स (व्यक्तित्व अधिकार) क्या हैं?

- **परिचय:**
  - **पर्सनैलिटी राइट्स** से तात्पर्य किसी व्यक्ति के अपने व्यक्तित्व की रक्षा करने के अधिकार से है, जो निजता या संपत्ति के व्यापक अधिकार का एक हिस्सा है।
  - ये अधिकार किसी सेलिब्रिटी के सार्वजनिक व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हैं, जिसमें उसका नाम, आवाज़, हस्ताक्षर, छवि, विशिष्ट विशेषताएँ, तौर-तरीके, मुद्राएँ आदि शामिल होते हैं।
- **प्रकार:**
  - **निजता का अधिकार:**
    - यह किसी व्यक्ति के **व्यक्तिगत जानकारी और मामलों** पर नियंत्रण की रक्षा करता है।
    - यह **व्यक्तिगत विवरणों के अनधिकृत प्रकटीकरण या किसी के निजी जीवन में हस्तक्षेप** को रोकता है।
    - **पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ, 2017** मामले में **सर्वोच्च न्यायालय** के निर्णय में इसकी पुष्टि की गई है।
  - **प्रचार का अधिकार:**
    - इससे व्यक्तियों को अपने **नाम, छवि, समानता या अन्य पहचान योग्य विशेषताओं** के **व्यावसायिक उपयोग** पर नियंत्रण मिलता है।
    - वे चुन सकते हैं कि उनकी पहचान के इन पहलुओं का उपयोग उत्पाद समर्थन या विज्ञापन के लिये कैसे किया जाए अथवा नहीं किया जाए।
- **महत्त्व:**
  - ये अधिकार मशहूर हस्तियों के लिये महत्त्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि विभिन्न कंपनियाँ अपनी बिक्री बढ़ाने के लिये विभिन्न विज्ञापनों में उनके नाम, फोटो या यहाँ तक कि आवाज़ का सरलता से दुरुपयोग कर सकती हैं।

भारत में व्यक्तित्व अधिकारों की क्या स्थिति है?

- यद्यपि भारतीय कानूनों में व्यक्तित्व अधिकारों का **स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं** कयिा गया है, फरि भी उन्हें **निजता** और **संपत्ति अधिकार** से संबंधति सिद्धांतों के माध्यम से संरक्षति कयिा गया है।
- **प्रमुख कानूनी प्रावधान:**
  - **भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21:**
    - यद्यपि व्यक्तित्व अधिकारों के लयि कोई वशिष्टि कानून नहीं है, फरि भी संविधान के **अनुच्छेद 21** में निहिति **निजता का अधिकार** भारत में नकिटतम कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है।
  - **कॉपीराइट अधिनियम, 1957:**
    - कॉपीराइट अधिनियम 1957, हालाँकि प्रत्यक्ष रूप से व्यक्तित्व अधिकारों को संबोधति नहीं करता है, लेकनि **बौद्धिक संपदा अधिकार (Intellectual Property Rights- IPR)** मामलों में **"पासगि ऑफ (Passing off)"** और **"धोखा"** जैसी अवधारणाओं के माध्यम से अप्रत्यक्ष सुरक्षा प्रदान करता है।
    - **"पासगि ऑफ"** तब होता है जब कोई व्यक्ति अपने सामान या सेवाओं को कसिी और का बताकर मथ्यिापूर्ण तरीके से प्रस्तुत करता है।
    - **यह व्यक्तित्व अधिकारों के लयि प्रासंगकि** हो सकता है, **यदि:**
      - कोई व्यक्ति **कसिी सेलब्रिटी के नाम या छवि का उपयोग कसिी उत्पाद के प्रचार के लयि उनकी अनुमति के बनिा करता है,** जसिसे आम जनता में यह धारणा बनती है कि सेलब्रिटी उस उत्पाद से जुड़ा हुआ है।
      - कोई व्यक्ति **कसिी प्रसद्धि व्यक्तित्व से इतना मलिता-जुलता चरत्रि या छवि निर्मिति कर देता** है कि जनता को यह भ्रम हो जाता है कि यह वास्तवकि व्यक्ति है।
    - **धोखा** तब होता है जब कोई, **कसिी व्यक्ति के नाम या छवि का उपयोग धोखाधड़ी या कसिी को गुमराह करने के उद्देश्य से करता है,** कॉपीराइट उल्लंघन का तर्क देना संभव हो सकता है, वशिेषकर यदि उपयोग व्यक्ति की प्रतष्ठिा को हानि पहुँचाता है।
  - **भारतीय ट्रेडमार्क अधिनियम, 1999:**
    - धारा 14 व्यक्तगित नाम और प्रतनिधित्वि के उपयोग को प्रतबिंधति करती है।
  - **न्यायालय के नरि्णय:**
    - न्यायालय ने इस बात पर ज़ोर दयिा कि **सार्वजनकि हस्तियों को भी प्रचार का समान अधकिार है।** न्यायालय ने इस बात पुष्टि की कि प्रचार के अधकिार वरिासत में मलिते हैं और उन्हें वभिाजति कयिा जा सकता है।
    - ***□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □. □□□□□□□□ □□□□, 2021*** में, **भारत के सर्वोच्च न्यायालय** ने माना कि प्रचार का अधकिार निजिता के अधकिार से अलग है।
      - न्यायालय ने यह भी कहा कि **नाम, व्यक्तगित पहचानकर्त्ता होने के अलावा, अपना वशिष्टि महत्त्व भी प्राप्त कर सकता है।**
    - ***□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□□, 2011*** मामले में दल्लिी उच्च न्यायालय ने कहा था कि **कसिी व्यक्ति की लोकप्रयिता या प्रसद्धि इंटरनेट पर भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है जतिनी वास्तवकि जीवन में।**
      - न्यायालयों ने प्रचार के अधकिार को मान्यता दी है, जसिसे मशहूर हस्तियों को अपने नाम, छवि और व्यक्तित्व को अनधकिृत उपयोग से बचाने की अनुमति मलिती है।
  - **उदाहरण:**
    - मई 2024 में दल्लिी **उच्च न्यायालय** ने **जैकी श्रॉफ के व्यक्तित्व और प्रचार अधकिारों** को बरकरार रखा तथा वभिन्नि ई-कॉमर्स स्टोर, AI चैटबॉट्स (AI Chatbots) व अन्य को अभनिेता की सहमति के बनिा उनके नाम, छवि, आवाज़ एवं समानता का उपयोग करने से रोक दयिा।
    - इसी तरह, **सतिंबर 2023 में अभनिेता अनलि कपूर को भी उनके चत्रिाधकिार या छवि अधकिार हेतु कानूनी संरक्षण प्राप्त हुआ।**
      - दल्लिी उच्च न्यायालय ने 16 संस्थाओं पर प्रतबिंध लगाते हुए उन्हें वाणज्यिकि उद्देश्यों के लयि उनके नाम, छवि या प्रतरिूपी का उपयोग करने से रोक दयिा।
    - वर्ष 2010 में ***□□.□□. □□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□*** के मामले में, दलेर मेहंदी की कंपनी दल्लिी उच्च न्यायालय में वजियी हुई। यह मामला दलेर मेहंदी की **शक्ल की नकल करके** उनके गाने गाने वाली **गुड़यिा बेचने वाली दुकानों** से जुड़ा था।
      - न्यायालय ने **मेहंदी के अपनी सार्वजनकि छवि को व्यावसायकि रूप से नयिंत्रति करने के अधकिार** को बरकरार रखा।

भारत में AI वनियिमन की स्थति क्या है?

- **भारत में AI के लयि कोई वशिष्टि वनियिमन नहीं:**
  - वर्तमान में भारत में **कृत्रमि बुद्धमित्ता (Artificial Intelligence- AI)** के लयि कोई वशिष्टि वनियिमन **नहीं** है।
  - लेकनि समय-समय पर वभिन्नि **सलाह, दशिानरि्देश और IT नयिमों** ने भारत में **AI**, जनरेटवि AI तथा लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) की **उन्नति के लयि कानूनी पर्यवेक्षण प्रदान कयिा है।**
- **नीति आयोग का नेतृत्व:**
  - वर्ष 2018 में नीति आयोग ने "आर्टफिशियिल इंटेलजिेंस के लयि राष्ट्रीय रणनीति #AIForAll" जारी की, जसिमें स्वास्थ्य सेवा, कृषि, शक्षिा और स्मार्ट बुनयिादी ढाँचे में AI के वकिास एवं तैनाती की रूपरेखा तैयार की गई।
- **डेटा सुरक्षा एवं वैश्वकि सहयोग:**
  - हाल ही में अधनियिमति डजिटिल व्यक्तगित डेटा संरक्षण अधनियिम, (2023) सरकार को AI के उपयोग से उत्पन्न निजिता संबंधी

चताओं को दूर करने का अधकिार देता है।

- इसके अतरिक्ति, कृत्रमि बुद्धमित्ता पर वैश्वकि भागीदारी (Global Partnership on Artificial Intelligence- GPAI) में भारत की सदस्यता **ज़म्मिेदार AI** वकिास, डेटा गवर्नेंस और नैतकि वचिारों पर सहयोग को बढ़ावा देती है।

//

बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR)

IP/बौद्धिक संपदा का तात्पर्य किसी व्यक्ति/कंपनी द्वारा सहमति के बिना बाह्य उपयोग या कार्यान्वयन से स्वामित्व/कानूनी रूप से संरक्षित अमूर्त संपत्तियों से है।

IPR के लिये आवश्यक हैं

- नवप्रवर्तन को प्रोत्साहित करना।
- आर्थिक विकास।
- रचनाकारों के अधिकारों की रक्षा करना।
- व्यापार करने में सुलभता बढ़ाना।

संबंधित कन्वेंशन/संधि (भारत ने इन सभी पर हस्ताक्षर किये हैं)

- **WIPO द्वारा प्रशासित (प्रथमतः मान्यता प्राप्त IPR के अंतर्गत):**
  - औद्योगिक संपत्ति के संरक्षण हेतु पेरिस कन्वेंशन, 1883 **(पेटेंट, औद्योगिक डिज़ाइन)।**
  - साहित्यिक और कलात्मक कार्यों के संरक्षण हेतु बर्न अभिसमय, 1886 **(कॉपीराइट)।**
- **विश्व व्यापार संगठन (WTO)- ट्रिप्स समझौता:**
  - सुरक्षा के पर्याप्त मानक सुनिश्चित करना।
  - विकासशील देशों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिये प्रोत्साहित करना।
- **बुडापेस्ट अभिसमय, 1977:**
  - पेटेंट प्रक्रिया के प्रयोजन हेतु सूक्ष्मजीवों के जमाव की अंतर्राष्ट्रीय मान्यता।
- **मर्राकेश VIP समझौता, 2016:**
  - दृष्टिबाधित व्यक्तियों और आँखों से दिव्यांगों (print disabilities) वाले व्यक्तियों को प्रकाशित कार्यों तक पहुँच की सुविधा प्रदान करना।
- IPR को **अनुच्छेद 27** (मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा) में भी रेखांकित किया गया है।

भारत की पहल और IPR

- **राष्ट्रीय IPR नीति, 2016:**
  - **आदर्श वाक्य:** "क्रिएटिव इंडिया; इनोवेटिव इंडिया"।
  - ट्रिप्स समझौते के अनुरूप।
  - सभी IPR को एक मंच पर लाता है।
  - नोडल विभाग - औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग (वाणिज्य मंत्रालय)।
- राष्ट्रीय (IP) जागरूकता मिशन **(NIPAM)**
- बौद्धिक संपदा साक्षरता और जागरूकता अभियान के लिये कलाम कार्यक्रम **(KAPILA)**

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस: 26 अप्रैल

बौद्धिक संपदा	संरक्षण	भारत में कानून	अवधि
कॉपीराइट	विचारों की अभिव्यक्ति	कॉपीराइट अधिनियम 1957	परिवर्तनीय
पेटेंट	आविष्कार- नवीन प्रक्रियाएँ, मशीनें आदि।	भारतीय पेटेंट अधिनियम, 1970	सामान्यतः 20 वर्ष
ट्रेडमार्क	व्यावसायिक वस्तुओं या सेवाओं को पृथक करने के लिये चिह्न	व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999	अनिश्चित काल तक रह सकता है
ट्रेड सीक्रेट	व्यावसायिक जानकारी की गोपनीयता	पंजीकरण के बिना संरक्षित	असीमित समय
भौगोलिक संकेत (GI)	विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति पर प्रयुक्त संकेतक और उत्पत्ति स्थल के वजह से विशिष्ट गुण रखते हों	वस्तुओं का भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999	10 वर्ष (नवीकरणीय)
औद्योगिक डिज़ाइन	किसी लेख का सजावटी या सौंदर्यपरक पहलू	डिज़ाइन अधिनियम, 2000	10 वर्ष

Drishti IAS

दृष्टि मेन्स प्रश्न:

प्रश्न. भारत में व्यक्तित्व अधिकारों के लिये कानूनी ढाँचे पर चर्चा कीजिये। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के साथ उन्हें सामंजस्य स्थापित करने में आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण कीजिये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न 1. भारत के संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत 'निजता का अधिकार' संरक्षित है? (2021)

(a) अनुच्छेद 15
(b) अनुच्छेद 19
(c) अनुच्छेद 21
(d) अनुच्छेद 29

उत्तर: (c)

प्रश्न 2. निजता के अधिकार को जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतन्त्रता के अधिकार के अंतर्भूत भाग के रूप में संरक्षित किया जाता है। भारत के संविधान में निम्नलिखित में से किससे उपर्युक्त कथन सही एवं समुचित ढंग से अर्थित होता है? (2018)

(a) अनुच्छेद 14 एवं संविधान के 42वें संशोधन के अधीन उपबंध
(b) अनुच्छेद 17 एवं भाग IV में दिये राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व
(c) अनुच्छेद 21 एवं भाग III में गारंटी की गई स्वतंत्रताएँ
(d) अनुच्छेद 24 एवं संविधान के 44वें संशोधन के अधीन उपबंध

उत्तर: (c)

प्रश्न 3. विकास की वर्तमान स्थिति में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) निम्नलिखित में से किस

1. कार्य को प्रभावी रूप से कर सकती है? **(2020)**
2. औद्योगिक इकाइयों में विद्युत् की खपत कम करना
3. सार्थक लघु कहानियों और गीतों की रचना
4. रोगों का निदान
5. टेक्स्ट से स्पीच (Text-to-Speech) में परिवर्तन
6. विद्युत् ऊर्जा का बेतार संचरण

नीचे दिये गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1,2,3 और 5
(b) केवल 1,3 और 4
(c) केवल 2,4 और 5
(d) 1,2,3,4 और 5

उत्तर: (b)

?????:

प्रश्न. वैश्वीकृत संसार में, बौद्धिक संपदा अधिकारों का महत्त्व हो जाता है और वे मुकद्दमेबाज़ी का एक स्रोत हो जाते हैं। कॉपीराइट, पेटेंट और व्यापार गुप्तियों के बीच मोटे तौर पर विभेदन कीजिये। (2014)